an>

Title: Regarding demanding a statement by Prime Minister on the alleged statement made by Jammu and Kashmir Chief Minister regarding conduct of Assembly polls in that state.

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Madam, thank you for allowing me.

I had given notice for an Adjournment Motion on the matter arising out of the statement made by the hon. Chief Minister of Jammu and Kashmir.

HON. SPEAKER: I am not allowing your Adjournment Motion, but still I am allowing you to speak.

PROF. SAUGATA ROY : On the statement of the Chief Minister of Jammu and Kashmir, wherein he had thanked Pakistan, the militants and the Hurriyat for the conducive atmosphere created during the Assembly polls of Jammu and Kashmir, yesterday the hon. Home Minister was kind enough to clarify that the Government of India did not associate with the views expressed by the Chief Minister of Jammu and Kashmir. But where he had differed, the Home Minister mentioned that he had spoken to the Prime Minister and the Prime Minister had informed him that the Chief Minister of Jammu and Kashmir had not told him about these views regarding Pakistan. The Home Minister also said that the conducive atmosphere for elections was created by the Armed Forces, by the Election Commission and by the people of the Jammu and Kashmir. Obviously, the statement of the hon. Minister is at variance with that of the Chief Minister of Jammu and Kashmir. On the face of it, we will accept the views of the Home Minister and it seems that the Chief Minister of Jammu and Kashmir is not telling the truth. In such a case, we would like the ...(*Interruptions*)

I am making a brief submission Shri Javadekar, you are a Minister now. Madam, I would want the hon. Prime Minister to clear the air about such a sensitive issue coming from the newly elected Chief Minister of Jammu and Kashmir, which is a border and sensitive State, and state once for all whether his views are endorsed by the Prime Minister or whether the Prime Minister was informed of the views of the Chief Minister of Jammu and Kashmir before taking a decision.

Madam, I thank you for allowing me to speak.

HON. SPEAKER: Shri Deepender Hooda, I am allowing you to speak, but your notice was time-barred.

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : अध्यक्ष महोदया, कल माननीय गृह मंत्री जी का बहुत ही संवेदनशील बयान पर वक्तव्य आया। जैसा कि अभी सौगत जी ने बताया कि उसमें एक कोन्ट्राडिक्शन आयी और जम्मू-कश्मीर के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री ने कल शाम को भी यह कहा कि वह अपने बयान पर कायम है, जिस बयान में जम्मू-कश्मीर के चुनाव के लिए पाकिस्तान मिलिटेंट्स और हुर्रियत की भूमिका का सराहा गया था। वे अपनी उस स्टेटमेंट पर कायम हैं। हिन्दुस्तान के एक राज्य के मुख्यमंत्री यह कह रहे हैं कि पाकिस्तान की, हुर्रियत की और मिलिटेंट्स की भूमिका चुनाव कराने में अच्छी रही है। जिस चुनाव को जम्मू-कश्मीर की जनता ने इतनी बहादुरी से प्रजातंत्र का साथ देते हुए सम्पन्न कराया, उसका श्रेय पाकिस्तान को दिया जा रहा है। उसके बाद एक कोन्ट्राडिक्शन है कि वह कह रहे हैं कि यह बात उन्होंने प्रधानमंत्री जी को कही, जबकि गृह मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री जी को इसका ज्ञान नहीं था। इसके अलावा अफ़ज़ल गुरू का स्मारक बनाने की बात चल रही है। जम्मू-कश्मीर में यह कैसी सरकार आयी है?

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि केवल उनके बयान से दूरी बनाने से नहीं चलेगा और जैसा कि उन्होंने कहा कि हमारा इस बयान से कोई वास्ता नहीं है। हम मानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी का पुराना स्टैंड भी इस पर ठीक है। ...(व्यवधान) मगर केवल दूरी बनाने से काम नहीं चलेगा। इस पर निन्दा प्रस्ताव आना चाहिए। हमारे देश की संसद को इस पर निंदा प्रस्ताव पास करना चाहिए। हमारे देश का कोई मुख्य मंत्री पाकिस्तान की सराहना करे, यह हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। हमारी सरकार इस पर निंदा प्रस्ताव पास करे और अपने मुख्य मंत्री, क्योंकि इनकी अब गठबंधन की सरकार है, अपने मुख्य मंत्री के वक्तव्यों पर सरकार लगाम लगाने का काम करे, नियंत्रण लगाने का काम करे, ऐसी मांग हम अपनी सरकार से करना चाहते हैं।...(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : यह कोई डिसकशन नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया। जवाब दे रहे हैं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I have already told them that I am not going to allow any discussion. I am not allowing anybody else to speak.

...(*Interruptions*)

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Madam, I also share the viewsâ€¦

HON. SPEAKER: It will not go on record.

(Interruptions) â€¦ *

HON. SPEAKER: This is not the way.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप रूल नहीं करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): We want a reply from the Prime Minister? Why can the Prime Minister not come and reply? ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: The Home Minister is giving the reply.

...(*Interruptions*)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : माननीय अध्यक्ष जी, जब कल जम्मू-कश्मीर के मुख्य मंत्री के स्टेटमेंट का सवाल यहां पर खड़ा किया गया था, ...(व्यवधान) उस समय भी केन्द्रीय सरकार का क्या

व्यू-प्वाइंट है, उसे मैंने पूरी तरह से क्लिअर कर दिया था।...(व्यवधान) मैंने कल स्पष्ट किया था कि हमारी सरकार और हमारा दल दोनों जम्मू-कश्मीर के मुख्य मंत्री के इस स्टेटमेंट से अपने को पूरी तरह से डिसएसोशिएट करते हैं।...(व्यवधान) हम डिसएसोशिएट करते हैं, कल मैंने इसको स्पष्ट कर दिया था और किसी ने, न तो हमारे दल और न हमारी सरकार द्वारा उनके स्टेटमेंट का स्वागत किया गया था। ...(व्यवधान) ये चीजें पूरी तरह से क्लेरिफाइ हो चुकी हैं। मैं समझता हूं कि पुन: इस मुद्दे को उठाये जाने का कोई औचित्य नहीं है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** नहीं, मैं सबको एलाउ नहीं करूंगी। I am sorry. खड़गे जी, उत्तर दे दिया गया है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **(**गुलबर्गा**) :** माननीय अध्यक्ष जी, हमने कल भी यहां पर विनती की थी ...(व्यवधान) गृह मंत्री जी का बयान आने के बाद हम यही चाहते हैं कि प्रधान मंत्री जी यहां आकर स्टेटमेंट दें जिससे सारे देश को यह मालूम होगा कि सरकार की इच्छा क्या है और वह किस ढंग से इसको कंडैम करना चाहते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** वह देश के गृह मंत्री हैं और सदन के नेता भी हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **:** माननीय अध्यक्ष जी, नये नये इश्यूज आ रहें हैं। ...(व्यवधान) प्राइम मिनिस्टर साहब आकर यदि स्टेटमेंट दे देंगे तो क्या हो जाएगा? ...(व्यवधान) क्या आकाश गिर जाएगा? ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मगर वह गृह मंत्री भी हैं और सदन के नेता भी हैं। क्या उनकी हैसियत कुछ नहीं है?

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **:** माननीय अध्यक्ष जी, देखिए, हम उनके स्टेटमेंट के ऊपर कुछ टिप्पणी नहीं कर रहे हैं।...(व्यवधान) हम यही चाहते हैं कि हमारे देश के प्रधान मंत्री जी यहां आकर यह कहें कि हम इसकी निन्दा करते हैं या एक रिजोल्यूशन लाइए। ...(व्यवधान) अगर वह नहीं लाते हैं तो आप भी एक रिजोल्यूशन लाइए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** गृह मंत्री जी ने उत्तर दिया है।

â€¦(व्यवधान)

-

-

शहरी विकास मंत्री**,** आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री **(**श्री एम. वैंकैय्या नायडू**) :** महोदया, जो चर्चा हुई, उस परिप्रेक्ष्य में गृह मंत्री जी कुछ कहना चाहेंगे।

गृह मंत्री **(**श्री राजनाथ सिंह**) :** महोदया, जम्मू-कश्मीर के चीफ मिनिस्टर के द्वारा एक स्टेटमेंट जारी किया गया और उस सम्बन्ध में इस संसद में कई हमारे सम्मानित सदस्यों के द्वारा प्रश्न खड़े किए गए और उस सम्बन्ध में चिन्ता व्यक्त की गई है। मैं कल ही यह स्पष्ट कर चुका हूँ कि हमारा दल और हमारी सरकार पूरी तरह से जम्मू-कश्मीर के चीफ मिनिस्टर के स्टेटमेंट से अपने आपको डिस्सोशिएट करती है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please let him complete his statement.

...(*Interruptions*)

श्री राजनाथ सिंह **:** इस प्रकार के स्टेटमेंट का स्वागत करने का प्रश्न ही नहीं खड़ा होता है। मैंने यह भी स्पष्ट किया था कि जम्मू-कश्मीर में जो शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न हुए हैं, उसका श्रेय यदि किसी को दिया जा सकता है तो इलेक्शन कमीशन को उसका श्रेय देना चाहिए, हमारे देश की सेना को इसका श्रेय मिलना चाहिए, हमारे देश की पैरा-मिलिट्री फोर्सेज को इसका श्रेय मिलना चाहिए और जम्मू-कश्मीर की जनता को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए। मैं समझता हूँ कि हमारी इस बात से पूरा का पूरा सदन सहमत होगा। जम्मू-कश्मीर के चीफ मिनिस्टर को इन्डॉर्स करने का तो प्रश्न ही नहीं खड़ा होता है।...(व्यवधान)

SHRI E. AHAMED (MALAPPURAM): Jammu and Kashmir is an inalienable part of our country. We all support and salute the people of the State for upholding democracy. We attribute it not to anybody but to the Jammu and Kashmir people. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** पूरे सदन ने जो बात कही है, सदन की और आप सबकी भी वही इच्छा है, आप सभी ने भी वही मंशा प्रकट की है और माननीय गृह मंत्री जी भी उसी बात को कह रहे हैं।

...(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : This is the sense of the House. Let us move forward. ...(*Interruptions*)